डॉ. के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार, माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश (सचिव भारत सरकार स्तर) का दिनांक 29 अक्टूबर 2020 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र की समीक्षा बैठक कार्यक्रम की कार्यवाही

दिनांक 29 अक्टूबर 2020 को महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र पर डॉ के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार माननीय मुख्यमन्त्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रो. राजेश सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्रभारी, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रो. अजेय गुप्ता सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. राहुल कुमार सिंह, विषय वस्तु विशेषज्ञ – कृषि प्रसार ने अतिथियों का स्वागत संबोधन किया तत्पश्चात केन्द्र के सभी विषय वस्तु विशेषज्ञों ने अपनी 3 माह की कार्य योजना का प्रगति प्रतिवेदन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जनपद में कृषको की आय बढ़ाने हेतु डॉ. के.वी. राजू एवं अन्य सदस्यों द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिये गये –

सुझाव

डॉ. के.वी. राजू

1. कृषि विज्ञान केन्द्र के समस्त प्रकाशनों का कुलपति दी.द.उ.गो.वि.वि. गोरखपुर के द्वारा गठित समिति द्वारा रिव्यू किया जाएगा ।
2. कृषि विज्ञान केन्द्र के समस्त वैज्ञानिकों द्वारा प्रत्येक माह में कम से कम 2 लेख एवं कृषि संबंधित शोध लेख प्रत्येक छः माह में 2 प्रकाशित किया जाय।
3. किसानों की समृद्धि हेतु कृषि से संबन्धित नवाचारयुक्त नये कृषि परियोजनाओं का प्रस्ताव बनाया जाय जिसमें मुख्य रुप से तीन बिन्दुओं का समावेश होना आवश्यक है –
    (i) लागत पर कितना आय होगा (Return on Investment)
    (ii) लागत लाभ सूचक (Cost Benefit Indicator)
    (iii) किसानों के लिए शुद्ध लाभ (Net Income of the Farmer)
4. कृषि विज्ञान केन्द्र के समस्त वैज्ञानिकों द्वारा चिन्हित किया जाय कि कौन – कौन से उद्यम है जिसमें पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप का योगदान कितना है।
5. प्रत्येक वैज्ञानिकों को कम से कम 2 से 3 वस्तु / उत्पादों पर केन्द्रित होकर कार्य करना है।
6. इनलैण्ड फिश फार्मिंग को पशुपालन विशेषज्ञ द्वारा चिन्हित कर कार्य किया जाय।
7. बागवानी में कौन से हाई वैल्यू क्राप जनपद के लिए उपयुक्त होगा चिन्हित कर उसको बढ़ावा दिया जाय।
8. प्रत्येक वैज्ञानिक द्वारा Case Study को एक या दो पेज में बना कर प्रकाशित किया जाय।
9. मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को ध्यान में रखते हुए, मृदा वैज्ञानिक सूक्ष्म पोषक तत्व की जाँच पर प्रस्ताव बनाकर आर. के. वी. वाई. में जमा करें।
10. जिस एफ.पी. ओ. के गठन के दस्तावेज तैयार है उनको 6 नवम्बर 2020 तक CA के पास जमा करें जिससे पंजीकरण की प्रक्रिया अतिशीघ्र प्रारम्भ हो सके।
11. इंटर्नशिप प्रोग्राम के अन्तर्गत दी. द. उ. गो. वि. वि. एवं अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के छात्रों का इंटर्नशिप कराया जाय। छात्र इंटर्नशिप के दौरान सभी वैज्ञानिकों को उनके प्रोजेक्ट्स में सहायक होंगे।

प्रो. राजेश सिंह, माननीय कुलपति, दी.द.उ.गो.वि.वि. गोरखपुर

1. समस्त वैज्ञानिकों द्वारा एक माह के साथ – साथ छः माह की कार्ययोजना भी तैयार किया जाय।
2. कृषि विज्ञान केन्द्र से जुड़े किसानों का डाटा बेस तैयार करें एवं उसको वेबसाइट पर अपलोड करें। कम से कम 25000 कृषकों को जोड़ने का प्रयास करें।
3. वेबसाइट को ज्यादा विजुअल बनाया जाय इसमें माननीय कुलपति महोदय से परामर्श लिया जाय।
4. कृषि विज्ञान केन्द्र के चार उद्यमों क्रमशः बीज उत्पादन, शहद उत्पादन, गुड़ उत्पादन एवं अगरबत्ती का प्रस्ताव व प्रस्तुतिकरण निम्न बिन्दुओं के आधार पर तैयार करें –
    - (i) अभी तक कितना इनवेस्ट किया गया है
    - (ii) आगे इनवेस्टमेंट का क्या प्लान है
    - (iii) उसमें वार्षिक रेकरिंग खर्च कितना आयेगा
    - (iv) उसमें कितना लाभ होगा और किसान का लाभ कितना है